

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1
शाधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



 4. 10]

 No. 10]

नर्ड बिल्ली, **बु** उयार, मई 27, 1987/ल्येष्ठ 6, 1909

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 27, 1987/JYAISTHA 6, 1909

इस भाग भी भिरन पृष्ठ शंख्या की जाती है जिससे कि यह अलग शंकलन के रूप मी रहा जा सभी

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्यालय गहायक श्रायकार सारक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज

अध्यक्तद अधिनियम, 1961 (1961 का अधिन अधिन 269 प (1) के अधिन सुक्ताएं

नई दिल्ली, 21 मई, 1987

निर्देण गठ आई० ए० मी० एकपू./1/37/ईई/8-86/3221 .--अत. मुझे एम०सी० एव्ता आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269 व्य के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विज्वास कराने काकारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मृत्य 1,00,000 है. से शक्षिक है भीर जिसकी संख्या है तथा जो फ्लंट नं. 408, 38, नेउक प्लेस, नर्ड दिल्ली में स्थित है (,ग्रीर इससे उपावज ग्रनुसूची में एण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के किर्मालय में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 तक्क के अधीन नारीक अगस्त 1986 को पूर्वोक्त समानि के उचित्र बाजार मूल्य में कम दृश्यमान प्रतिकल के भिए प्रस्तरित की गई **है ग्रौर मुझे** यह वि**ण्डा**स करने का कारण है कि यशापुर्वास्त सम्पत्ति का जीवत-बाजार मुख्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिगान प्रधिक है घीर अन्तरक (प्रत्तरका) घीर अन्तरिनी (ब्रन्तरितिया) के बीच ऐंग अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिकृत निम्न-लिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किनी भ्राप्त का बाबत धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए और (ख) ऐसी किसी आप या किसी शन या श्रन्य श्रांस्थियों को, जिन्हें भारभीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रिमियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिमियम, 1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिकी ब्रास प्रकट नहीं किया जोना चाहिए था, क्रियान में मुनिधा के लिए.

अतः अब उस्त अधितियम की भार। 269 म के प्रत्मरण में, में उपत्र अधितियम की धारा 269 घ की उर-धारा (1) के श्रधीत निम्नलियित व्यक्तियों शर्यात् .--

- भैसमं गुलमाहर एस्टेड पा. लि.
 415 देविका दावर्न, 6, तेहरू प्रैम, नई दिल्ती ! (ध्रम्यक)
- वधन लाल, समुख्र 'शावा राजा राम और मिपेज आर्मिका देती पत्ती श्री चमानाल तिथा गे-पनेट नं. 204, सर्वक्रिय बिहार, नई दिल्ली । (अस्परिती)
- श्री/श्रीमर्ता/कुमारी: (यह व्यक्ति जिसके यात्मांग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री/श्रीमता/कुमारी : : : (यह त्र्यमित जिसके वार्र में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबज् है)
- को यह सूचना आरी अरके पूर्वोक्ट सम्पर्शि के पर्यन के लिए कार्यवाही णुरू करना हूं ।

जनत समिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्मबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि बाद में सभाष्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हारा।
- (ख) इस मूचना के राजपब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे 1.

स्पाप्टीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में यथा-परिमाधित है. वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्स्ची

फ्लेट नं. 408, 38 नेहरू ^टनेस, नई दिल्ली । क्षेत्र 605 वर्ग फं.ट ! .

तारीख: 21-5-1987

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE

NOTICES UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

New Delhi, the 21st May, 1987

Reference No. I.A.C. (Acq.) Range-I 37EE 8-86 3221.—Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000]- and bearing No. Flat No. 408, at 38, Nehru Place, situated at New Delhi (and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u.s. 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M/s. Gulmohar Estates (P) Ltd., 415, Devika Towers, 6, Nehru Place, New Delhi: (Transferor)
- (2) Mr. Chaman Lal So Lala Raja Ram & Mrs. Urmila Devi wo Mr. Chaman Lal rio Flat No. 204 Save Priya Vihar, New Delhi. (Transferce)
- (3) Shri Smt. Km. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Shri[Smt. Km..........(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Oilicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 408, at 38, Nehru Place, New Delhi. Area 605 sq. ft.

Date: 21-5-1987.

Scal:

Strike off where not applicable.

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी /एक्यू / 1/37 ईई /8-86/3223 : --ग्रव: मझे एस०सी० गुप्ता ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मृत्य 1,00,000 \overline{v} . से अधिक है ग्रौर है तथा जो फ्लेट नं. 409, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ ग्रन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन तारीख ग्रगस्त 1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमदृष्यगान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है ग्रौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण में हुई कियी आय की बखन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन बर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य प्राप्तिको को, धिर्ने भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यिकी होरा प्रकट नहीं किया जाता चाहिए था, खिराने में सुविधा के लिए.

काः अब उनन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुगरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्त-लिखन व्यक्तियों अर्थान् :--

- ा मैससं गुलमोहर एस्टेट प्रा. लि. ४६०, देविका टावरस, ६, नेहरू प्लेस, नई दिव्यी । (श्रस्यरक)
- श्री एल एम विग सुपुत्र के जी ्र्यं।ग
 अ-बी मबुरा रोड, अंग्युरा बी, नई विल्ली । (ग्रन्तिंति)
- 3 श्री/श्रीमती/कुमारी : : : : (वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी '''' (यह व्यक्ति जिसके बारे में अर्था-हम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

की यह मूचना जारी करके पृथींक्ष्त सम्मानि के श्रजन के लिए कार्थ-वाही स्मान करना हूं।

उक्त सम्प्रति के प्रर्शन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप .

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 15 दिन की प्रविध या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध बाद में समापत हाती हो, के भीतर पृथीयन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचन। के राजपत में प्रकाणन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्प्रांत में हित्तश्रद्ध किसी प्रत्य ध्यांक्त हारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रपुक्त णब्दो श्रौर पदों का, जो श्रायकर, श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20 क में यथा परि-भाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लंट नं, 409, 38 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

क्षेत्र ७०५ वर्गफीट ।

ता^{री}ख: 21-5-1,987

(ओं लागुन हो उसे काट वीजिए)

Reference No. I.A.C. (Acq.) |Range-1|37EE|8-86| 3223.—Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Flat No. 409, at 38 Nehru Place situated at New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s. 269AB of the I. T. Act,

1961 read with rule 48 DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1936 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M/s. Gulmohar Estates (P) Ltd., 415, Devika Towers, 6, Nebni Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. L. M. Wig, S'o Mr. K. G. Wig Rjo 4-B, Mathura Road, Jangpura B, New Delhi (Transferee)
- (3) Shri[Smt.]Km...... (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Shri|Smt.|Km.....(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;
- Explanation.—The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 409, at 38, Nehru Place, New Delhi. Area 605 Sq. ft.

Date: 21-5-1987

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्वेण सं आई.ए.सी./एक्यू./1/37 इड/8-86/3219.—अतः मुझे एस. सी. गुल्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की आरा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 क. से अधिक है और जिसकी संख्या '' है तथा जो फ्लंट न. 410, 38 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-बढ अतुसूची में पूर्ण रूप से वर्णिन है), किसका अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की आरा 269 के ख अधीन तारीख अगस्त 1986 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अल्लिएत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिखान अधिक है और अल्लिए का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिखान अधिक है और अल्लिए का स्थान की की सीच ऐसे अल्लारण के लिए (अल्लारकों) और अल्लिएन (अल्लारितयों) के बीच ऐसे अल्लारण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नियिक्त उद्देश्य से उक्त अल्लारण कि विश्वन में बास्तियन कुप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत प्रायकर प्रधिनियम' 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रान्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधि नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना खाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269व की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीन्:──

1. मैसर्स गुलमोहर एस्टेट प्रा. लिमि.

415, देविका टावर्स, 6, नेहरू प्लेस, नई दिस्ली। (ग्रंतरक)

2. मैसर्म चांमलर इंडस्ट्रियल होल्डिंग्स लिमि.

4-बी, मध्या रोड, जंगप्रा-बी,

नई विल्ली ।

(अस्तरिती)

(बहु व्यक्ति जिसके श्रीधभोग में संपत्ति है)

4. (वह व्यक्ति जिसके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

जनस संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन फी प्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 विन की ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबज्ञ किसी प्रन्य अपनित ज्ञारा, प्राधोहरूनाक्षरी के पान निष्टित में किए जा सकेंगे।

स्पान्टीकरण इसमें प्रयुक्त प्रकेरों भीर पदों का, जो श्रायकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रक्ष्याय 20क में यथा-परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धन्सूची

पर्लेट नं. 410, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

क्षेत्र 605 वर्ग फीट। हारीखा 21-5-87 सिल

*(जो लागुन हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq) | Range 1|37EF |8-86|3219.-Whereas I, S.C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and being No. Flat No. 410, at 38, Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered and *has been registered with the Competent Authority u|s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M|s. Gulmohar Estates (P) Ltd.,
 415, Devika Towers,
 6, Nehru Place,
 New Delhi. (Transferor)
- (2) M|s. Chancellor Industrial Holdings Ltd.,
 4-B, Mathura Road,
 Jangpura-B,
 New Delhi. (Transferee)

(3) (Person(s) in occupation of the property)

(4) (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation.—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 410, at 38, Nehru Place, New Delhi. Area 605 Sq. ft.

Date 21-5-1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देण सं आर्ड. ए.सी./एसयू./1/37इइ/8-86/3324.---श्रातः मुझे, एस० सीठ गुष्ता, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके परवात् उनते अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 1,00,000 क. से अधिक है और जिसकी संख्या ... है तथा जो फ्लेट नं 413,38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (शीर इससे उपावढ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), असक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन तारीख अगस्त 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूवांकत संपत्ति का उचितंबाजार सूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिवित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित मे वास्तयिक रूप से कथिन नही किया गया है---

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी भाय की बायन व्यायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भनकर, श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिहारा प्रकट मही किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रातः ग्रात्र जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के ब्रानुगरण में, जनत अधिनियम की धारा 2699 की उप-धारा (1) के अधीन निम्निनिश्चित व्यक्तियों ग्रायीन् —

- मैं सर्स गुलमोहर एस्टेट प्रा. लिमि. (अंतरक)
 415, दैनिका टोवर्स, 6, नेहरू प्लेस, नई विस्ली।
- - (বঙ্ व्यक्ति जिसके ऋधिकोग में मर्पान है)
 - . (यह व्यक्षित जिसके आ में ग्रधांहरूनाक्षरी जातता है कि यह संपत्ति में हितवक्क हैं)

को यह मुजना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाही गुल्ह करना है।

अक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सक्षत्रधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजान्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हिनक के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा रसंगं।

स्पर्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदी का, जी श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, बही श्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

फ्लंट नं. 413, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ती।

क्षेत्र 605 वर्गफीट।

तारी**ख** : 21-5-87

माहर :

*(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq) | Range I | 37EE | 8-86 | 3224.--Whereas I, S.C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 413 at 38, Nehru Place, situated at New Et lhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *has been registered with the Competent Authority uls .269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M|s. Gulmohar Estates (P) Ltd., 415, Devika Towers, 6, Nehru Place, New Delhi. (Tr

(Transferor)

(2) M|s. G. S. Luthra,111, Deepali,92, Nehru Place,New Delhi.

(Transferce)

(3) (Person(s) in occupation of the property)

(1) (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation,—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 413, at 38, Nehru Place, New Delhi. Area 605 Sq. ft.

Date 21-5-1987.

Scal

*Strike off where not applicable.

निर्शेष मं. श्राई. ए.सी./एक्पू./1/37क्ड/8-86/3249 :— अतः मुझे, एस. सी. गुप्ता आयकर श्राधिनियम. 1961(1961 का 43) (जिसे दामें ध्रमके पण्यान् 'उक्त श्राधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 ६. से श्रीधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो फ्लेट नं. 1319, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में प्रित है (अंद इसले उपायज धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269कल के श्रीधन तारील ध्रमस्त 1986 की पृथीकत

सम्पत्ति के उचित बाजार मूँन्य से कम दृष्यमान प्रतिकत के लिये प्रत्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि युवापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके रृष्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकत के पर्देह प्रतिग्रा प्रधिक है और अन्तरक (प्रत्यकों) और अन्तरितों (प्रत्नरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिये तम पाम गा रितिकत निम्मणिखित उद्देश्य से उनन प्रत्यरण लिखिन में बान्तविक हम से कथिन नहीं किया गम है——

- (क) घन्तरण से हुई किमी प्राय की बाबन ध्रायकर प्रथितियम, 1961 (1961 का 43) के प्रशीन कर देने के घ्रम्लरक के दायित्व में कभी करने या उसपे बचने में मुबिशा के लिये और
- (ख) ऐसे किसी भाष या किसी धन या प्रत्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या भाषकर श्रिधितयम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधितयम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिने था, क्विस्ते में युनिया के

श्रतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 य की उप-धारा (1) के अधीन निमा निक्षित व्यक्तियों अर्थान :--

- श्री/श्रीमती/कुमारी मैं मर्स गुलमाहर एस्टेट प्रा. लि. (श्रन्तरक)
 अ. १ देविका टावर्स, ६, तेहरू प्यंस, नई दिल्ली।
- 2. श्री जन्मदीण सपरा सुपृक्ष श्री ईणर वास सपरा एउ उसा सपरा पत्ने। श्री जगदीश सपरा ए-1/244, सफ्बरजंग इल्लेब, नई दिल्ती। (बल्तरिनी)
 - . (वह र्व्याक्त जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्बद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्षा सम्पत्ति के प्रर्जन के लिये कार्यवाही एक करता है।

उक्त सम्वक्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्ष स्थायर सम्पन्ति में हिसबदा किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण--इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो भायकर भ्राध-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनु सूची

फ्लेट नं. 1319, 38, नेत्रण प्लेस, नई दिल्ली । फ्लेट क्षेत्र 584 वर्ग फीट ।

नार[्] । खः : 21-5-87

मोहर:

*(जो लागू न हो उसे काट बीजिए)।

Ref. No. 1.A.C. (Acq) [Range-1]37EE[8-86]3249.---Whereas I S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1319 at 38 Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been and *registered with the Competent transferred Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtan Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) M/s. Gulmohar Estates (P) Ltd.,
 415. Devika Towers,
 6. Nehru Place,
 New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Jagdish Sapra So Shri Ishar Dass Sapra and Mrs. Uma Sapra Wo Sh. Jagdish Sapra, Ro A-1/244, Safdarjung Enclave, New Delhi. (Transferec)
- Person(s) in occupation of the property)
- (4) (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation.—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1319 at 38, Nehru Place, New Delhi. Flat area 584 Sq. ft.

Date: 21-5-1987.

Seal:

*Strike off where not applicable.

मुझे एस सी. गुप्ता घायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत ग्रधिनियम' नहा गया है) की धारा 269व के धर्धीन सक्षम अधिकारी को यह विख्वास कराने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मु≈य 1,00,000/- ग. से स्रक्षिक है और जिसकी संस्था ' ' है तथा जो पलेट नं . 407, अंसल टावर, उठ, नेहरू प्लेप, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपासद अनुमुची में पुर्ण रूप से वर्णित है) *सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269क के भ्रभीन ग्रगस्त 1986 को पूर्वोतन सम्पक्ति के उधित बाजार मुख्य से कम दृष्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्ति सम्पत्ति का उक्ति बाजार मृत्य, उसके दृण्यमान प्रशिकल से, ऐसे दृष्णमान प्रतिपत्न के पन्त्रस प्रतिगत प्रधिक है और प्रन्तरक (घन्तरका) और भन्तरिनो(ध्रन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रान्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिपाल निम्निलिखिस उद्देश्य से उपन श्रन्तरण नििखन में बार निविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) धन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत धायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के ब्रन्तरक के दायित्स में कर्मी करने या उसमे बचने में मिबधा के सिथै और.
- (ख) ऐसी निसी भाष का या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिस्हें भारतीय श्रायकर श्रिशित्यम, 16.2 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधित्यम, 1961 (1961 का 43) या भ्रामकर श्रिधित्यम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रस्तिरिद्धारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाल्यिथा, छिपाने में सुविधा के लिये,

भ्रतः ग्रब उक्त ग्रथिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रथिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के ग्रधीन निम्निषित्रक टाक्तियों ग्रयोन ——

- भैसर्स गुलमोहर एस्टेट प्रा.ित.
 415, देविका टावर, नेहक ऐसम, नई दिल्ली। (प्रन्तरक)
- श्री संबोध नारंग एंड मास्टर उदय नारंग
 ए-43, न्यू फ़ेन्ड्स कालोनी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिनी)
- (वह स्थित जिसके प्रिधमांग में समासि है)
- 4 (वह रयमित जिसके बारे में ग्रधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)

को यह मूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाही गुक्ट करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीत के संबंध में कोई भी धाक्षेप:

- (त) इस सुन्धा के राजपत में प्रकाशन की तारिख से 45 िन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सुन्ता की तासील में 30 दिन की अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हारा।
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसी जा सकोंगे।
- स्पर्टीकरण---श्ममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर ग्रिध-नियम 1961 (1961 का 43) के श्रव्याय 20-क में स्वा-परिनाधित है, यही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिशा गया है ।

श्रन्,सूची

पलेट नं 407, असम टावर, 38, नहरू प्लेस, नई विल्ली।क्षेत्र 597 वर्ग फीट।

सारीखा: 21-5-1987

मोहर:

*(जो लागुन हो उसे फाट दीजिये)

Ref. No. I.A.C. (Acq) Range-I[37EE 8-86] 3235.—Whereas I, S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 407, Ansal Tower, 38 Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered with the Competent Authority u.s. 269AB of the l.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acqqisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely;

(1) M/S. Gulmohar Estates (P) Ltd. 415. Devika Tower, Nehru Place New Delhi, (Transferor)

- (2) Shii Sandeep Natang & Master Uday Narang.
 - A-43 New Friends Colony, New Delhi (Transferee)
- (3) (Person(s) in occupation of the property).
- (4) (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersingned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immvoable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 407. Ansal Tower, 38 Nehru Pluce. New Delhi, Area 597 Sq. ft.

Date: 21-5-1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश में भाई.ए मी /एका / 1/37 इह/8-86/3236:--- भ्रतः मझै, एम. मी. गुप्ता भाषकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का. ४४) (जिसे इसमें इसके पण्नाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा २६९ स्र के प्रधीन सक्षम अधिकारी की यह विख्वास कराने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका। उत्तित लाजार मृत्य 1,00000 है, से भाधिक है और जिपकी संख्या ''' है तथा जो फर्नेट नं, 1408 38. नेहरू प्लेम. नई दिस्ली में स्थित है (और इससे उपायज्ञ अनस्ची में पूर्ण चए से वर्णित है). *सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय -श्रायकर श्रिथितियम 1961 की धारा 269 कला के प्रधीन नारीख भ्रायन 1996 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार सुल्य से कम बुण्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्वरित की गई है स्रीर मझे यह विख्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मृत्य, उसके वस्यमान प्रतिकत से, ऐसे दल्यसान प्रतिकत के पन्डह प्रतिगत ग्राधिक हैं भीर धनारक (अन्तरकों) और अस्परिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल विस्तलिखित उद्देण्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

- (क) अल्लरण में हुई किसी धाय की बाबत आयकर प्रधितियंम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अल्परक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए, धीर
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्ति तारा प्रजट नहीं किया ग्या जाना चाहिए था, छिषाने में सृविधा के लिए.

जन ग्रंब उक्त ग्रंधिनियन की धारा 269-ग के अनुगरण में, मैं उपन यश्चिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अबीन निस्त_ लिखित स्पितियो श्रथितः~–

- । भी/श्रीमती/कुमारी सूर्वील गुप्ता मिसेज उमिला रानी, ग्रानिल म्द्रा एड सम (एच यू एफ) 202. यागेश्वर एम-2 कनाट प्लेस, नई क्टिल्ल ।
- ु धी/श्रीमनो/कूमारी के.के. मत्या मिसेश, तीरा भन्या ३३ हेमकुर नई दिल्ली। (ग्रन्भरितो)
 - . श्री/श्रीमर्गा/कुमारी (बर् व्यक्ति जिसके ग्रीधमाग में

समानि है } ८ श्री/श्रीमती/कुमारी

(यह व्यक्ति जिया बार में ब्रधाहस्याक्षरी जानना है कि वह सम्मिस में दिनबंड है।

का यह भूतना जारी करके पूत्रींका सकालि क अर्जन के लिए कार्यकाही श्रमुक करना है।

उक्त रब्यन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीर

- ंट इस सुबना के राजात्र में प्रशायन की ताराख से 45 दिन का अवधिकाल व्यवस्था व्यक्तिकापर सूत्रता की नामीत से ३० दिनकी प्रशास बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।
- ःख) इ.स. सुबना के राजस्त्र मे प्रकाणनकी नारीख से 4.5 दूदिन क भीतर उक्त स्थावर समाति में हिन्द्रह कियी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रथीहरताक्षरी के गाम मिखित में किए जा सकेंगे।

रर्टीकरण~~इसमें प्रयुक्त णब्दो और पक्षों का, जा ग्रायकर ग्रहि निवम, १७६१ (1961 का 43) के प्रध्याय 20 के में यथा-परिभाषित है ब*ा पर्य* होगा जा उस ग्रब्धाय में दिया गया है।

श्रनुमुची /

नंगर न . 1408, प्रांसल टावर, 38, नेहर पोरा, नई विस्ती क्षेत्र ३४० वर्ग फीट ।

तारीख 21-5-1987

सीलः

"जो पार्न ही उसे कार दे

Rei. No. I.A.C. (Acq) Range-1/37EE 8-86 3236.—Whereas I, S. C. Gupta being the Competent Authority lunder section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 1408, Ansal Tower situated at 38, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and registered the Competent Authority uls 269AB with the I.T. Act. 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of trans-

fer with the object or :

327 GI/87-2

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

> Sh. Sunil Gupta, Mrs. Urmila Rani 202 Gupta Son (HUF), AnilYogeshwar, M-2, Connaught Place New Delhi.

> > (Transferor)

- (2) Sh. K. K. Bhalla, Mrs. Neera Bhalla 32 Hemkunt, New Delhi. (Transferee)
- (3) (Person(s) in occupation of the property).
- (4) (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 1408, Ansal Tower, 38, Nehru Place. New Delhi, Area 580 sq. ft.

Date: 21-5-87

Seal:

*Strike off where not applicable.

निर्देश मं. श्राई ए.सी./क्यू./1/37वड/8/86/3239~-श्रम: मझे एम.मी. गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे डममे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को यह निण्यास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृत्य 1,00,000 रु. से श्रधिक है और जिसकी संख्या : : : है और तथा जो फ्लेट नं, 1413, 38 नेहरू भेलेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबत श्रनुसूची में पूर्ण रूप में बणित है), सक्षम घधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कवा के श्रधीन तारीख श्रास्त 1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम दृष्यामान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विज्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गर्मान का उचित-बाजार मूल्य. इसके बब्यमान पतिफान से. ऐसे दृष्यमान प्रतिफान के पन्द्रा प्रतिणत अधिक है और

श्रासारक (भ्रन्तरको) श्रीय प्रश्निरिको (ग्रस्तरिको) के बीच ऐसे भ्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निस्तलिखन उद्देश्य से उसत श्रासारण लिखिन में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है⇒ •

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की यावत भ्रायकर श्रिक्षिम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कसी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए श्रीर
- (ख) ेमी किनी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती झारा प्रकट नहीं किया गया जाना जाहिए था, खिपाने में मुशिधा के लिए.

भ्रमः भ्रब उपन मधिनियमं की धारा 269-गं के भ्रनसम्य में. में उक्त श्रिधिनियमं की धारा 269 घं की उप-धारा (1) के प्रशीन निस्न-लिखन व्यक्तियां भ्रथित —

- श्री/श्रीमतो/कृमारी सैसर्ग गुलमाहन एस्टेट प्रा. लि. 415, देविका टायरग 6 नेहरू त्येग, नई दिल्ली । प्रत्यरक)
- 2. श्री/श्रीमतं।/कुमारी मास्टर गौरय श्ररीडा. सुपुत्र जगर्वाण चन्द्र श्ररीडा एंड उमा श्ररीता पत्नी श्री अगदीण चन्द्र श्ररीडा निवासी-ए-1/228. सफबरजंग एनक्लेब, नई दिल्ली (श्रन्तरिनी)

 - ा श्री/श्रीमती/कमारी.......(वह व्यक्ति जिसके वारे में अबोहरूनाक्षरी कानता है कि वह सम्मत्ति में टितक्कड़ हैं)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंबाही शुरू करना है ।

उनन सम्पक्षि के प्रजंत के सबस्य में कोई भी प्राक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख़ से 45 दि की ग्रवधि या तस्मेंबक्बी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि केबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यवित द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के टाजधव मे प्रकाणन की तारीख से ना दिने के सीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दिनगढ़ किमी क्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रदीहरूनाक्षरी के पास लिखित में क्रिए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर यांज नियम 1961 (1961 का 13) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित-है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्सुको

फ्लैट न : 1 11 3, 38, नेहरू प्लम, नई दिल्ली । फ्लैट क्षेत्र 610 वर्गफीट ।

तारीख: 21-5-87

मोहर:

🌯 (जो लागुन हाउस क(ट दर्जिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq) Range-137EE 8-86 3239.—Whereus I, S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Flat No. 1413, at 38 Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and "registered under, has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the L.T.

Act, 1961 read with rule 48DD (4) 1962 Income Tax Rules August 1986 apparent consideration which is less for than the fair market value of ιhe uforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income urising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of action 269C, I hereby initiate the proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) M/s. Gulmohar Estates (P) 1.td. 415, Devika Towers, 6. Nehru Place New Delhi. (Transferor)
- (2) Master Gunray Arora, son of Shri Jagdish Chander Arora & Mrs. Uma Arora, Wo Shri Jagdish Chandra Arora, Ro Al 228 Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferce)

- (3) (Person(s) in occupation of the property).
- (4) (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazerte;

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1413, at 38 Nehru Place. New Dethi Flat area 610 Sq. ft.

Date : 21-5-87

Seal :

*Strike off where not applicable.

निदेश मं. आर्ट ए. मी./एक्यू./1/37इइ/8-86/3242:—श्रतः मुझे एन. सी. गुप्ता, ग्रायकर श्रिधिनियम, 196.1 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्चान 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है। की धारा 269ख के ब्राधीन सक्षम ब्राधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से प्रधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो फ्लैंट ने . 1414, 38, नेहरू फ्लम, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे अपाबध धनसूचों में पूर्ण मप में विणित है), मक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रध-नियम 1961 की धारा 269कख के श्रधीन नारीख ग्रगस्त 1986 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मध्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पुर्योक्ति संपत्ति का उचित-बाजार मन्य उसके दुश्यमान प्रक्षिफल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल के पत्क्रह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (ब्रन्तरकों) और मन्तरितो (मन्तरितियो) के मीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया भ्रातिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर भ्रश्तरण दिल्लात में प्राप्तिक लाग से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय को बायन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्ते में मुनिधा के लिए, और
- (ख) ऐसी किमो आय या किमो धन या अन्य यामियों का जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) या धनकर अधिनियम, 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए,

श्रवः स्रव उत्तर स्रधिनियम को धारा १६९-ग के श्रवुसरण में, में उत्तर स्रथिनियम की धारा १६९थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों सर्थान :--

भो/आनती/कुमारी मैनर्स गुलमीहर एस्टेट प्रा. लि.
 +15.दे रका टावरर, 6. नहरू प्लेस, नई दिल्ली (अस्तरक)

अो/ब्रोमनी/कृमारी मैमर्स भुटानी एस्टैट

बी-7, राष्ट्रीरी गार्डन, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह ध्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके वारे में श्रद्धांहरूताश्ररी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजेन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी स्नाक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उपन स्थावर सपिन में हिनबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ब्रुबोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यका-परि। भाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है

श्रनुसूची

पर्वेट न . 1 tl l, 35, नेहरू प्लेस, नई दिल्लो । पर्वेट क्षेत्र 580 वर्ग फीट सुपर क्षेत्र ।

नारीखाः २ १- ५- ८७

सील ।

ै(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. J.A.C. (Acq.) Range-1|37 EE|8-86 3242.—Whereas, I, S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Flat No. 1414 at 38, Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and registered under, has been registered with the Competent Authority us 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee-(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-Tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M|s. Gulmohar Estate (P) Ltd.,
 415, Devika Towers,
 6, Nehru Place,
 New Delhi (Transferor)
- (2) M|s. Bhutani Estates, B-7, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferce)
- (Person(s) in occupation of the property)
- (4) (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this

notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:
- Explanation.—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1414, at 38, Nehru Place, New Delhi, Flat Area 580 Sq. fts. (Super Area)

Date: 21-5-1987

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश में, ग्राहि, ए. सी./एस्यू./1/37इइ/8-86/3226:-- ग्रातः मुझे एस. सी. गुप्ता, ग्रायकर भिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस बसमें इसके पश्चात् 'उनत ब्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्राधीन सक्षम ध्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचिन बाजार मल्य 1,00,000/-- क् से श्रविक है और जिसकी संख्या है तथा जी फ्लैंट नं. 1214, 38-नेहरू 'लेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायत्र प्रनुसुची में पूर्ण रूप से बर्णित है), सक्षम ग्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269कला के ग्रजीन तारीचा ग्रगस्त 1986 को पूर्वितिन संपत्ति के उचित बाजार मन्य से कम दश्यमान प्रतिकृत के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विण्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोतन संपत्ति का उचित-बाजार मत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशान से प्रधिक हैं और ग्रन्तरक (श्रन्त-रकों) और ग्रन्तरित (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उनन ग्रन्नरण लिखिन में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुक्किश के खिए; औ
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हर भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) या धनक प्रधिनियम 1957 को 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती आरा अकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

अतः अब उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं उन्त अधिनियम की धारा 269भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों प्रधीत --

- श्री/श्रीमती/कुमारी अंसल प्राप्रटीज एंड इंडस्ट्रीज प्रा. लि. (श्रन्तरक)
 115. असल भवन, 16. के जी मार्ग, नई विल्की।
- अं। श्रीमंत्री कुमारी विवेक सहगल द्वारा की एम सहगल (अन्तरित्री) की जी आफ पोलिस एंड द्वायरेक्टर संगैस्ल एस्टाक्स्पीस्मेंट लोकासुकत (एम पी)

3 . श्री/श्रीमती/कुमारी

(बह व्यक्ति जिसके द्रक्षिभोग में संपत्ति हैं)

4 अो/श्रीमती/कृमारी ¹

(बह थ्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताकरी जानता है कि बह संपत्ति में हितबढ़ है)

ो ह्नह सूचना जारी करके पूर्वाक्ष्य संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करता है।

उक्त संपत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी ब्राक्षण:

- (क) इस मूचना के राजपक्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अबधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दित की अबधि बाद में समाप्त होती हो, के भावर प्रवेशित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति कारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्वान में हिनबह कियों प्रध्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण- इसमें प्रयुक्त प्राब्दों और पड़ों का, जा स्नायकर स्निधिनियम 1961 (1961 का 43) के स्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही स्रथं होगा जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन्मुभी

फ्लैट न , 1214, 38 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। क्षेत्र 580 वर्ग फीट।

ह/-

तारीखः 21-5-87 *(जो लागुनहो उसे कोट दोजिए)

एसः सीः गुप्तां, सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन 1 रैंज, नई दिल्ली-110002

Ref. No. I.A.C. (Acq.)|Range-1|37EE|8-86|3226.-Whereas I, S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Flat No. 1214, 38 Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *registered under, has been registered with the Competent Authority u|s 269AB of the 1.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed

by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Vivek Saihgal Clo Sh. B. M. Saihgal, D. G. of Police & Director Special Police Establishment, Lokayukt (M.P.) (Transferee)

(Person(s) in occupation of the property)

Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of

this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation.—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1214, 38, Nehru Place, New Delhi. Area 580 Sq. ft.

Date: 21-5-1987.

Seal:

*Strike off where not applicable.

Sd|-

S. C. GUPTA, Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax) Acquisition Range-I, New Delhi-110002